13/9/19

पत्रावली पेश हुई। वकील वादीगण हाजिर नहीं। बार-बार आवाज लगाने पर भी ना तो आवाज लगाई गई। बार-बार आवाज लगाने पर भी ना तो वकील वादीगण हाजिर और ना ही वादीगण स्वयं हाजिर। अतः दावा - बिला जवाब, [illegible] एवं कोई [illegible] को अदम हाजरी अदम पैरवी में खारिज किया जाता है। पत्रावली [illegible] होकर [illegible] हो व दाखिल दफ्तर हो

[illegible signature]

उपखण्ड अधिकारी,
उदयपुरवाटी (झुन्झुनूँ)

Scanned by CamScanner

Signature Not Verified
Digitally signed by Hawai Singh Yadav
Date: 2019.09.17 15:58:29 IST
Reason: SelfAttested